डी. ए. वी. पब्लिक स्कूल, वेलचेरी, चेन्नई – 42

अंतर्राष्टीय वन दिवस एवं विश्व वन्यजीव दिवस 2023

अंतर्राष्टीय वन दिवस, जिसे विश्व वन दिवस के रूप में भी माना जाता है, मानवता और ग्रह के अस्तित्व के लिए वनों और पेड़ों के महत्त्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल 21 मार्च को मनाया जाता है । इस वर्ष का विषय 'वन और स्वास्थ्य' है । डी. ए. वी. पब्लिक स्कूल, चेन्नई के प्रांगण में अंतर्राष्टीय वन दिवस एवं विश्व वन्यजीव दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया । आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने इस उत्सव की मेज़बानी की ।

प्रार्थना एवं स्वागत भाषण के साथ दिन के कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ । पॉचवीं कक्षा के विद्यार्थियों द्वारा विलुप्त हो रहे पक्षियों की दुदर्शा तथा उनके विलुप्त होने के कारणों पर एक शानदार नाटिका प्रस्तुत की गई । 'मेलोडिक कैवोर्ट' शीर्षक पर एक नृत्य के द्वारा छठी कक्षा के विद्यार्थियों ने हमारी जैव विविधता की रक्षा के महत्त्व पर ज़ोर दिया । सातवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने 'मीनू और डिनो' नामक लघु नाटिका के माध्यम से विलुप्त हो रहे जानवरों का भूमिका निर्वहन कर उनको सजीव रूप में दर्शकों के सामने दिखाया ।

भारत के नीलगिरि बायोसफ़ियर के बारे में समझाते हुए आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने 'फारेस्ट्स फैशनिस्टास' नामक रैंप वाक कार्यक्रम किया जो सराहनीय था । नवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने एक टॉक शो के माध्यम से भारत में राष्टीय उद्यानों की यात्रा के दौरान पालन किए जाने वाले नियमों से दर्शकों को अवगत कराया । दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने जंगल के बारे में रोचक तथ्यों की प्रस्तुति द्वारा मानव तथा ग्रह को उनसे मिलने वाले लाभों का अनावरण किया ।

माननीया प्रधानाचार्या श्रीमती मीनू अग्रवाल जी ने अपने संबोधन में छात्र–छात्राओं को उन सारे जीवों तथा वनस्पतियों की रक्षा करने की सलाह दी जो हमारे लिए जीवनदायक हैं। पर्यावरण, वनों एवं लुप्तप्राय जानवरों के संरक्षण के वादे लेने के बाद धन्यवाद ज्ञापन के साथ उत्सव का समापन हुआ ।

डी. ए. वी. पब्लिक स्कूल, वेलचेरी, चेन्नई – 42

अंतर्राष्टीय वन दिवस 2023

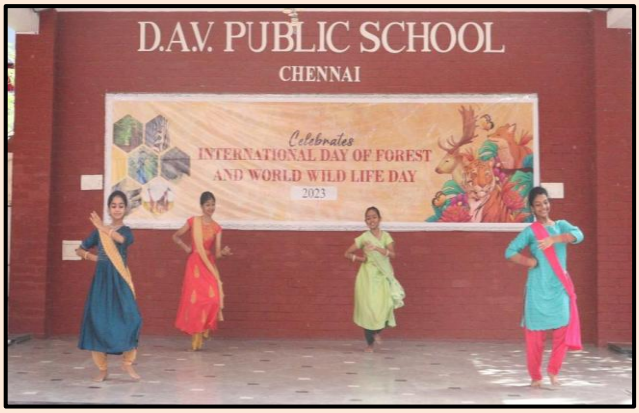

'मेलोडिक कैवोर्ट' नृत्य प्रस्तुति

जंगल के बारे में रोचक तथ्यों की प्रस्तुति

राष्टीय उद्यानों पर टॉक शो

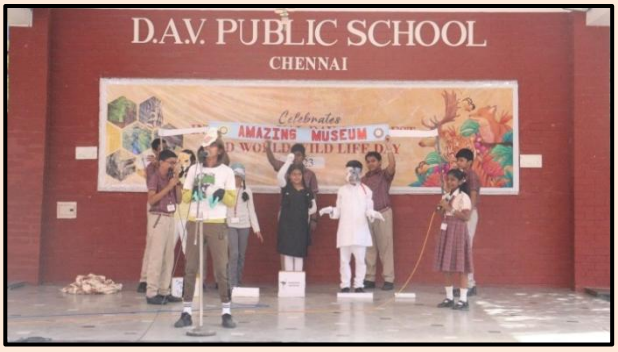

विलुप्त हो रहे जानवरों का भूमिका निर्वहन

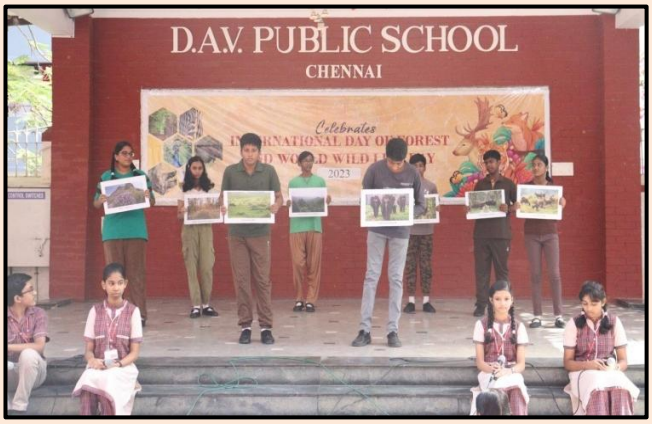

'फारेस्ट्स फैशनिस्टास' – रैंप वाक

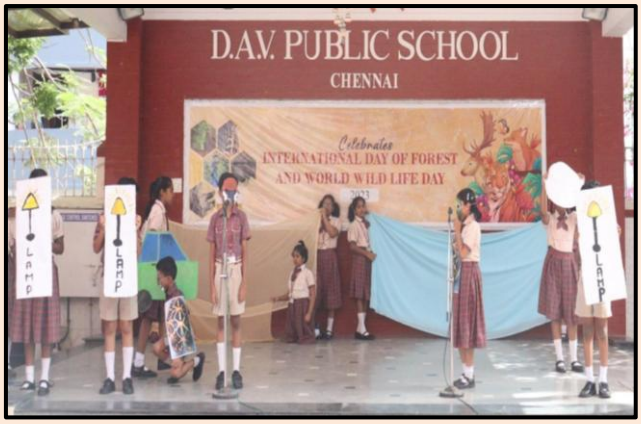

विलुप्त हो रहे पक्षियों पर नाटिका